उपस्थिति पत्रक
केन्द्रीय अध्ययन मण्डल की बैठक

अध्ययन शाला का नाम – **भूगोल अध्ययन शाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर**
बैठक दिनांक – **11/06/2018** समय – **11:00 बजे**

कमांक	सदस्यों का नाम/पदनाम	हस्ताक्षर
1	डॉ. एन. के. बघमार, प्रोफेसर अध्यक्ष, भूगोल, अध्ययन मण्डल, पं. र. वि. वि. रायपुर	11.6.18
2	डॉ. सरला शर्मा, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष भूगोल अध्ययन, शाला, पं. र. वि. वि. रायपुर	11.6.2018
3	डॉ. अमृत लाल पटेल, प्रभारी प्राचार्य, (पदोन्नत प्राध्यापक) शासकीय महाविद्यालय, सरायपाली	11.6.18
4	डॉ. डी. एल. पटेल, सहा. प्राध्यापक अध्यक्ष, भूगोल, अध्ययन मण्डल, बस्तर वि. वि., जगदलपुर	11.06.18
5	श्री गोपीश्वर साय, सहा. प्राध्यापक अध्यक्ष, भूगोल, अध्ययन मण्डल, सरगुजा वि.वि. अम्बिकापुर	11/06/2018
6	डॉ. शीला श्रीधर, सहा. प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, शास. दू. ब. महिला. महा. रायपुर	11/06/2018
7	डॉ. कृष्ण कुमार द्विवेदी, सहा. प्राध्यापक, एवं विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, शास. के. डी. महिला महा., राजनांदगांव	11/06/2018
8	श्री एम. एस. साहू, सहा. प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, शास. स्नातकोत्तर महा. कुरूद, धमतरी	11.06.18
9	डॉ. सखा राम कुजाम, सहा. प्राध्यापक शास. महा. नारायणपुर	
10	डॉ. एम. पी. गुप्ता, प्रोफेसर एवं पूर्व अध्यक्ष, भूगोल अध्ययन, शाला, पं. र. वि. वि. रायपुर, विशेष आमंत्रित सदस्य,	11.6.18

11.6.18
अध्यक्ष
भूगोल अध्ययन शाला
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

केन्द्रीय अध्ययन मण्डल की बैठक
दिनांक 11/06/2018

कार्यालय, आयुक्त उच्च शिक्षा के पत्र क्रमांक/1686/315/आउशि/समन्वय/2018, रायपुर, दिनांक 05.06.2018 के द्वारा स्नातक स्तर के एकीकृत पाठ्यक्रमों के विभिन्न विषयों के पुनर्निरीक्षण हेतु केन्द्रीय अध्ययन मण्डलों में उक्त अधिनियम की धारा–34(ए) की उपधारा–2, 3 एवं 4 के अंतर्गत आयुक्त, उच्च शिक्षा, छत्तीसगढ़ के नामांकित सदस्यों की केन्द्रीय अध्ययन मण्डल की बैठक आज दिनांक 11/06/2018 को पूर्वान्ह 11:00 बजे भूगोल अध्ययनशाला में आयोजित की गई जिसमें निम्नांकित सदस्य उपस्थित रहे :–

अधिनियम के अन्तर्गत प्रावधान	सदस्य का नाम	हस्ताक्षर
34(क)(2)(i) विश्वविद्यालय के उन विषय के अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष	1. डॉ. एन. के. बघमार – अध्यक्ष, अध्ययन मण्डल, भूगोल, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर (छ.ग.) 2. डॉ. डी.एल. पटेल – अध्यक्ष, अध्ययन मण्डल, भूगोल, बस्तर विश्वविद्यालय, जगदलपुर (छ.ग.) 3. डॉ. गोपीश्वर साय – अध्यक्ष, अध्ययन मण्डल, भूगोल, सरगुजा विश्वविद्यालय, जगदलपुर (छ.ग.) 4. डॉ. सरला शर्मा, अध्यक्ष, भूगोल अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर (छ.ग.)	
34(क)(2)(ii) कुलाधिपति द्वारा नामांकित महाविद्यालयों के स्नातकोत्तर स्तर के विभागाध्यक्ष	1. डॉ. शीला श्रीधर, सहा. प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, भूगोल, शा. स्नातकोत्तर दू. ब. महिला महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.)	
34(क)(3)(iii) कुलाधिपति द्वारा नामांकित महाविद्यालयों के स्नातक स्तर के विभागाध्यक्ष	1. डॉ. एम. एस. साहू, सहा. प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष, शास. महाविद्यालय, कुरूद, धमतरी (छ.ग.) 2. डॉ. अमृत लाल पटेल, पदोन्नत प्राध्यापक एवं प्रभारी प्राचार्य, शासकीय महाविद्यालय, सरायपाली (छ.ग.) 3. डॉ. गोपीश्वर साय – अध्यक्ष, शासकीय महाविद्यालय,सुरजपर (छ.ग.) 4. डॉ. डी.एल.पटेल – विभागाध्यक्ष, भूगोल शास. भानुप्रतापदेव स्नातकोत्तर, महाविद्यालय, कांकेर (छ.ग.)	
34(क)(3)(iv) कुलाधिपति द्वारा आयुक्त उच्च शिक्षा की सिफारिश के आधार पर मनोनीत विषय विशेषज्ञ	1. श्री के. के. द्विवेदी सहा. प्राध्यापक शास. के. डी. महिला महाविद्यालय, राजनांदगांव	
34(क)(3)(v) आयुक्त उच्च शिक्षा का प्रतिनिधि		
विशेष आमंत्रित सदस्य	1. डॉ. एम. पी. गुप्ता, से.नि. प्राध्यापक, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर	

कार्य **वृत** :– आज दिनांक 11/06/2018 को पू र्वान्ह 11:00 बजे केन्दीय अध्ययन मंडल, भूगोल की बैठक भूगोल अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर में आयोजित हुई जिसमें निम्नानुसार अनुशंसा की गई :–

1. **कार्य सूची – 1** के संदर्भ में सदस्यों द्वारा बी.ए./बी. एस. सी – प्रथम, क्षितीय एवं तृतीय वर्ष, 2018–19 के पाठ्यक्रम के विषय में चर्चा की गई तथा बी.ए./बी. एस. सी – प्रथम, क्षितीय एवं तृतीय वर्ष, 2018–19 के पाठ्यक्रम में संशोधन कर निम्नलिखित संशोधित पाठ्यक्रम अनुशंसित किया गया –

Brief Summary

3 Year Integrated UG Courses (B.A./B.Sc) in Geography

B.A. /B.Sc. Part I

The B.A. /B.Sc. Part-I Examination in Geography will be 150 marks. There will be two theory papers and one Practical each of 50 marks as follows:

Paper - I	Physical Geography
Paper - II	Human Geography.
Paper - III	Practical Geography

B.A. /B.Sc. Part-II

The B.A./B.Sc. Part-II Examination in Geography will be 150 marks. There will be two theory papers and one Practical each of 50 marks as follows:

Paper-I	Economic and Resources Geography
Paper-II	Regional Geography of India
Paper-III	Practical Geography

B.A. /B.Sc. Part III

The B.A. /B.Sc. Part III Examination in Geography will be 150 marks. There will be two theory papers and one Practical each of 50 marks as follows

Paper – I	Remote Sensing and GIS
Paper - II	Geography of Chhattisgarh
Paper - III	Practical Geography

(Dr. Sarla Sharma) (Dr. Sarla Sharma)

Dr. A.L. Patel (Dr. D.L. Patel) (M.S. Sahu)

(K.K. Dwivedi)

प्रपत्र

कक्षा : बैचलर ऑफ आर्ट्स / साइंस
विषय : भूगोल
संकाय : कला / विज्ञान

प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का नाम
I	भौतिक भूगोल (Physical Geography)
II	मानव भूगोल (Human Geography)
III	प्रायोगिक – मानचित्र एवं सांख्यिकी (Practical - Cartography and Statistical Techniques)
IV	आर्थिक एवं संसाधन भूगोल (Economic & Resource Geography)
V	भारत का प्रादेशिक भूगोल (Regional Geography of India)
VI	प्रायोगिक – मानचित्र निर्वचन, प्रक्षेप एवं सांख्यिकी विधि (Practical - Map Interpretation and Statistical Techniques) Projection
VII	सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचना प्रणाली (Remote Sensing and GIS
VIII	छत्तीसगढ़ का भूगोल (Geography of Chhattisgarh)
IX	प्रायोगिक – मानचित्र पठन एवं निर्वचन (Practical - Map Reading & Interpretation)

वर्तमान पाठयक्रम	नवीन संसोधित	नवीन संसोधित पाठ्यक्रम का औचित्य
संलग्नानुसार संलग्नक कमांक – 1	संलग्नानुसार संलग्नक कमांक – 2	1. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पाठ्यक्रम के अनुरूप विषय वस्तु का युक्ति–युक्तकरण किया गया हैं । 2. छात्रों में विभिन्न प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता के लिए नवीन पठन–पाठन शामिल कर प्रश्नपत्रों में संशोधन किया गया है । 3. छ. ग. शासन की अपेक्षाओं के अनुरूप, क्षेत्रीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर पाठ्यक्रम तैयार किया गया है

1. डॉ. एन. के. बघमार,, अध्यक्ष : Dr. N.K. BAGHMAR
2. डॉ. सरला शर्मा, प्रोफेसर, सदस्य : (Dr Sarla Sharma)
3. डॉ. अमृत लाल पटेल, सदस्य : Dr. A.L. Patel, Govt. college Saraipali
4. डॉ. डी. एल. पटेल, सदस्य : (Dr. D.L. Patel) Chairman board of Study Bastar Uni
5. श्री गोपीश्वर साय, सदस्य :
6. डॉ. शीला श्रीधर, सदस्य : (Dr Sheela Shridhar)
7. डॉ. कृष्ण कुमार द्विवेदी, सदस्य : (Dwivedi)
8. श्री एम. एस. साहू, सदस्य : (M.S. SAHU) Govt. P.G. college Kurud
9. डॉ. सखा राम कुजाम, सदस्य :
10. डॉ. एन. पी. गुप्ता, आमंत्रित सदस्य :

कार्य वृत :– आज दिनांक 11/06/2018 को पू वान्ह 11:00 बजे केन्दीय अध्ययन मंडल, भूगोल की बैठक भूगोल अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि., रायपुर में आयोजित हुई जिसमें निम्नानुसार अनुशंसा की गई :–

1. **कार्य सूची – 1** के संदर्भ में सदस्यों द्वारा बी.ए./बी. एस. सी – प्रथम, क्षितीय एवं तृतीय वर्ष, 2018–19 के पाठ्यक्रम के विषय में चर्चा की गई तथा बी.ए./बी. एस. सी – प्रथम, क्षितीय एवं तृतीय वर्ष, 2018–19 के पाठ्यक्रम में संशोधन कर निम्नलिखित संशोधित पाठ्यक्रम अनुशंसित किया गया –

Brief Summary
3 Year Integrated UG Courses (B.A./B.Sc) in Geography

B.A. /B.Sc. Part I

The B.A. /B.Sc. Part-I Examination in Geography will be 150 marks. There will be two theory papers and one Practical each of 50 marks as follows:

Paper - I	Physical Geography
Paper - II	Human Geography.
Paper - III	Practical Geography

B.A. /B.Sc. Part-II

The B.A./B.Sc. Part-II Examination in Geography will be 150 marks. There will be two theory papers and one Practical each of 50 marks as follows:

Paper-I	Economic and Resources Geography
Paper-II	Regional Geography of India
Paper-III	Practical Geography

B.A. /B.Sc. Part III

The B.A. /B.Sc. Part III Examination in Geography will be 150 marks. There will be two theory papers and one Practical each of 50 marks as follows

Paper – I	Remote Sensing and GIS
Paper - II	Geography of Chhattisgarh
Paper - III	Practical Geography

B.A. /B.Sc. Part I

PAPER - I
PHYSICAL GEOGRAPHY
Max. Marks: 50
(Paper Code-0117)

Unit I The Nature and Scope of Physical Geography. Origin of the Earth, Geological Time Scale, Earth's Interior, Continental Drift Theory (Wegner), Plate Tectonics, Isostasy.

Unit II Earth movements: Earthquakes and Volcanoes. Rocks, Weathering, Erosion, and Normal cycle of erosion, Evaluation of landscapes- Fluvial, Arid, Glacial, Karts and Coastal landscape.

Unit III Elements of Weather and Climate, Composition and Structure of the Atmosphere. World patterns of Atmospheric Temperature, Pressure, and Wind.

Unit IV Atmospheric Moisture, and Disturbances, Climatic Classification (Koppen and Thornthwait) types, characteristics and World patterns.

Unit V Surface relief of Pacific Ocean, Atlantic Ocean, and Indian Ocean. Distribution of Temperature and Salinity of oceans and seas, Currents and Tides, Ocean Deposits and Coral Reefs, and Oceanic Resources.

Books Recommended:

1. Barry, R. G. and Chorley, R. J. (1998): Atmosphere, Weather and Climate. Routledge, London.
2. Bryant, H. Richard (2001): Physical Geography Made Simple, Rupa and Company. New Delhi
3. Bunnett, R.B. (2003): Physical Geography in Diagrams, Fourth GCSE edition, Pearson Education (Singapore) Private Ltd.
4. Garrison, T. (1998): Oceanography, Wordsworth Company., Belmont.
5. Lake, P. (1979): Physical Geography (English and Hindi editions), Cambridge University Press, Cambridge.
6. Lal, D.S. 1993 : Climatology, 3rd edition, Chaitanya Pub. House, New Delhi
7. Leong Goh Cheng (2003): Certificate Physical and Human Geography, Oxford University Press, New Delhi.
8. Monkhouse, F.J. (1979): Physical Geography. Methuen, London
9. Singh, S. (2003): Physical Geography. (English and Hindi editions.). Prayag Pustak Bhawan, Allahabad;
10. Trewartha, G.T., Robinson, A.H., Hammond, E.H., and Horn, A.T. (1976/1990): Fundamentals of Physical Geography, 3rd edition. MacGraw-Hill, New York.
11. Singh, M.B. (2001): *Bhoutik Bhugol,* Tara Book Agency, Varanasi
12. Strahler, A.N. and Stahler, A.M. (1992): Modern Physical Geography. John Wiley and Sons, New York.

B.A. /B.Sc. Part I

PAPER - II
HUMAN GEOGRAPHY
Max. Marks: 50
(Paper Code-0118)

Unit I Definition and Scope of Human Geography. Man - environment relationship; Determinism, Possibilism, and Probabilism; Human Development Index (HDI).

Unit II Classification of Human Races – their Characteristics and Distribution; Human adaptation to environment: Eskimos, Bushman, Pigmy, Gond, Masai, and Naga.

Unit III Growth, Density and Distribution of World Population and factors influencing Spatial distribution; Over , Under, and Optimum Population; Migration of Population. .

Unit IV Settlements – Urban Settlements: Urbanization, Evolution and Classification, Trends of Urbanization.

Rural settlements: Characteristics, Types and Regional Pattern, Rural Houses in India - Types, Classification and Regional Pattern.

Unit V Issues – Global Warming, Climate Change, Deforestation, Desertification, Air, Water and Soil Pollution.

Books Recommended:

1. Chisholm, M. (1985): Human Geography, 2nd edition, Penguin Books, London.
2. De Blij, H.J.(1996): Human Geography: Culture, Society and Space,. 2nd edition. John Wiley and Sons, New York,
3. Fellman, J. D., Arthur, G., Judith, G., Hopkins, J. and Dan, S. (2007): Human Geography: Landscapes of Human Activities. McGraw-Hill, New York. 10th edition.
4. Haggett, P. (2004): Geography: A Modern Synthesis. 8th edition, Harper and Row, New York.
5. Huggett, R. J. (1998): Fundamentals of Biogeography, Routledge, London.
6. Hussain, M. (1994): Human Geography, Rawat Publications, Jaipur.
7. Johnston, R. J., Gregory, D., Pratt, G. and Watts, M. (2009): The Dictionary of Human Geography. 5th edition, Basil Blackwell Publishers, Oxford.
8. Kaushik, S.D. and Sharma, A.K. (1996): Principles of Human Geography (in Hindi), Rastogi Publication, Meerut.
9. Norton, W. (2008): Human Geography, Oxford University Press, New York. 5th ed.
10. Saxena, H. M. (2000): Environmental Management. Rawat Publications., Jaipur and New Delhi.
11. Singh, K. N. and Singh, J. (2001): *Manav Bhugol*. Gyanodaya Prakashan, Gorakhpur. 2nd edition.
12. Singh, L.R. (2005): Fundamentals of Human Geography, Sharda Pustak Bhawan, Allahabad
13. Smith, D. M.(1977): Human Geography- A Welfare Approach, Edward Arnold (Publishers) Ltd.,London
14. Stoddard, R.H., Wishart, D.J. and Blouet, B.W. (1986): Human Geography. Prentice-Hall, Englewood Cliffs, New Jersey.

B.A. /B.Sc. Part I

PAPER - III
PRACTICAL GEOGRAPHY
Max. Marks: 50

SECTION A

CARTOGRAPHY AND STASTISTICAL METHODS (M.M. 25)

Unit I Scale: Statement Scale , Representative Fraction (R.F.), Linear scale – Simple, Diagonal, Comparative, and Time Scales.

Unit II Contour: Methods of showing relief; Hachures, Contours; Representation of different landforms by contours.

Unit III Graph and Diagram: Line graph, Bar Diagram (Simple and Compound), Circle Diagram, Pie Diagram

Unit IV Statistical Technique: Mean, Median and Mode

SECTION B

SURVEYING - (M.M. 15)

Unit V Chain and Tape Survey. Triangulation method, Open Traverse and Closed Traverse

PRACTICAL RECORD AND VIVA VOCE (M.M. 10)

Books Recommended:

1. Davis, R.E. and Foote, F.S. (1953): Surveying, 4th edition, McGraw Hill Publication, New York
2. Jones, P.A.(1968): Fieldwork in Geography, Longmans, Green and Company Ltd., First Publication, London
3. Monkhouse, F. J. and Wilkinson, F.J. (1985): Maps and Diagrams. Methuen, London
4. Natrajan, V. (1976): Advanced Surveying, B.I. Publications., Mumbai
5. Pugh, J.C. (1975): Surveying for Field Scientists, Methuen and Company Ltd., London, First Publication.
6. Raisz, E. (1962): General Cartography. John Wiley and Sons, New York. 5th edition.
7. Sarkar, A. K. (1997): Practical Geography: A Systematic Approach. Orient Longman, Kolkata.
8. Sharma, J. P. (2001): *Prayogik Bhugol.*, Rastogi Publication, Meerut 3rd. edition.
9. Singh, R.L. and Singh, Rana P.B. (1993): Elements of Practical Geography. (Hindi and English editions). Kalyani Publishers, New Delhi,.
10. Singh, L.R. (2006): Fundamentals of Practical Geography, Sharda Pustak Bhawan, Allahabad.
11. Venkatramaiah, C. (1997): A Text Book of Surveying, Universities Press, Hyderabad.

B.A. /B.Sc. Part II

PAPER - I
ECONOMIC AND RESOURCES GEOGRAPHY
Max. Marks: 50
(Paper Code-0187)

Unit I Meaning, scope and approaches to economic geography; Main concepts of economic geography; Resource: concept and classification; Natural resources: soil, forest and water.

Unit II Mineral resources: iron ore and bauxite; Power resources: coal, petroleum and hydro electricity; Resource conservation; Principal crops: wheat, rice, sugarcane and tea

Unit III Agricultural regions of the world (Derwent Whittlesey); Theory of agricultural location (Von Thunen); Theory of industrial location (Weber); Major industries: iron and steel, textiles, petrochemical and sugar; industrial regions of the world.

Unit IV World transportation: major trans-continental railways, sea and air routes; International trade: patterns and trends; Major trade blocks: LAFTA, EEC, ASEAN; Effect of globalization on developing countries.

Unit V **C**onservation of resources; evolution of the concept, principles, philosophy, and approach to conservation, resources conservation and practices. Policy making and sustainable development.

Books Recommended:

1. Alexander, J. W. (1988): Economic Geography. Prentice-Hall, New Delhi,.
2. Bryson, J., Henry, N., Keeble, D. and Martin, R. (eds.) (1999): The Economic Geography Reader: Producing and Consuming Global Capitalism. John Wiley and Sons, Inc, New York.
3. Clark,G. L., Gertler, M. S. and Feldman, M. P. (eds.) (2000): The Oxford Handbook of Economic Geography. Oxford University Press, USA.
4. Coe, N. (2007): Economic Geography: A Contemporary Introduction. Blackwell Publishers, Inc., Massachusetts.
5. Gautam, A. (2006): *Aarthik Bhugol Ke Mool Tattava,* Sharda Pustak Bhawan, Allahabad.
6. Guha, J. S. and Chattoraj, P.R. (2002): A New Approach to Economic Geography: A Study of Resources. The World Press Private Limited, Kolkata.
7. Hanink, D. M. (1997): Principles and Applications of Economic Geography: Economy, Policy, Environment. John Wiley and Sons, Inc, New York.
8. Hartshorne, T. A. and Alexander, J. W. (1988): Economic Geography (3rd revised edition) Englewood Cliff , New Jersey, Prentice Hall
9. Hudson, R. (2005): Economic Geographies: Circuits, Flows and Spaces. Sage Publications, London.
10. Knowles, R, Wareing, J. (2000): Economic and Social Geography Made Simple, Rupa and Company, New Delhi.

B.A. /B.Sc. Part II

PAPER - II

GEOGRAPHY OF INDIA

Max. Marks: 50
(Paper Code-0188)

Unit I Physical Features: Structure, Relief, Climate, Physiographic Regions, Drainage, Climate-origin and mechanism of monsoon, and regional and Seasonal variation.

Unit II Natural Resources: Soils - types, their distribution and characteristics. Water Resources (major irrigation and hydel power projects); Forests-types, distribution, economic significance and conservation. Mineral and Power resources-Iron-ore, Manganese, Copper, Coal, Petroleum and Natural gas, Non conventional sources of energy.

Unit III Cultural Features : Population - Growth, Density and Distribution. Agriculture - Major crops, impact of Green Revolution and Agricultural regions.

Unit IV Industries Localization, Development & Production - Iron and steel, Cotton Textile, Cement, Sugar, Transport, Foreign Trade. Industrial Region.

Unit V Detailed Study of the following regions of India : Kashmir Valley, North- East Region, Chhota Nagpur Plateau, Thar Desert, Islands of India.

Books Recommended:

1. Chauhan, P.R. and Prasad, M. (2003): *Bharat Ka Vrihad Bhugol*, Vasundhara Prakashan, Gorakhpur.
2. Farmer, B.H. (1983): An Introduction to South Asia. Methuen, London
3. Gautam, A. (2006): Advanced Geography of India, Sharda Pustak Bhawan, Allahabad
4. Johnson, B.L.C. (1963): Development in South Asia. Penguin Books, Harmondsworth
5. Krishnan, M.S. (1982): Geology of India and Burma, CAS Publishers and Distributors, Delhi.
6. Khullar, D.R. (2007): India: A Comprehensive Geography, Kalyani Publishers, New Delhi
7. Nag, P. and Gupta, S. S. (1992): Geography of India, Concept Publishing Company, New Delhi.
8. Rao, B.P. (2007): *Bharat kee Bhaugolik Sameeksha*, Vasundhara Prakashan, Gorakhpur.
9. Sharma, T.C. and Coutinho, O. (2003): Economic and Commercial Geography of India, Vikas Publishing House Private Ltd. New Delhi.
10. Singh , J. (2003): India: A Comprehensive Systematic Geography. Gyanodaya Prakashan, Gorakhpur
11. Singh, J. (2001): *Bharat: Bhougolik Aadhar Avam Ayam*, Gyanodaya Prakashan, Gorakhpur.
12. Singh, R.L. (ed.) (1971): India: A Regional Geography. National Geographical Society of India, Varanasi.
13. Spate, O.H. K., Learmonth A. T. A. and Farmer, B. H. (1996): India, Pakistan and Sri Lanka. Methuen, London, 7th edition.
14. SukhwaI, B.L. (1987): India: Economic Resource Base and Contemporary Political Patterns. Sterling Publication, New Delhi
15. Tiwari, R.C. (2007): Geography of India, Prayag Pustak Bhawan, Allahabad.
16. Wadia, D. N. (1959): *Geology of India*. Mac-Millan and Company, London and student edition, Madras.

B.A. /B.Sc. Part II

PAPER - III
PRACTICAL GEOGRAPHY
Max. Marks: 50

SECTION A

MAP INTERPRETATION, PROJECTIONS AND STATISTICAL METHODS (M.M. 25)

Unit I Distribution Maps: Dot Map, Choropleth Map and Isopleth Map.

Unit II Map Projections: Definition and classification; Conical, Zenithal, and Cylindrical Projections.

Unit III Interpretation of Weather Maps: Use of Meteorological Instruments.

Unit IV Statistical Methods: Quartile: Mean Deviation, Standard Deviation and Quartile Deviation; Relative Variability and Co-efficient of Variation.

SECTION B

SURVEYING (M.M. 15)

Unit V Surveying: Whole Circle Bearing and Reduced Bearing, Methods of Prismatic Compass Survey.

PRACTICAL RECORD AND VIVA VOCE (M.M. 10)

Books Recommended:

1. Alvi, Z. 1995 : Statistical Geography: Methods and Applications, Rawat Pub. New Delhi: .
2. Davis, R.E. and Foote, F.S. (1953): Surveying, 4th edition, McGraw Hill Publication, New York
3. Kanetker, T.P. and Kulkarni, S.V.(1967): Surveying and Levelling, Vol I and II V.G. Prakashan, Poona.
4. Natrajan, V. (1976): Advanced Surveying, B.I. Publications., Mumbai.
5. Pal, S.K. 1999 : Statistics for Geoscientists, Concept publishing Company, New Delhi
6. Punmia, B.C.(1994): Surveying, Vol I, Laxmi Publications Private Ltd, New Delhi.
7. Raisz, E. (1962): General Cartography. John Wiley and Sons, New York. 5th edition
8. Sarkar, A. K. (1997): Practical Geography: A Systematic Approach. Orient Longman, Kolkata.
9. Sharma, J. P. (2001): *Prayogik Bhugol.*, Rastogi Publication, Meerut 3rd. edition.
10. Silk, J. 1979 : Statistical techniques in Geography, George Allen and Unwin, London
11. Singh, R.L. and Singh, Rana P.B. (1993): Elements of Practical Geography. (Hindi and English editions). Kalyani Publishers, New Delhi,.
12. Singh, L.R. (2006): Fundamentals of Practical Geography, Sharda Pustak Bhawan, Allahabad.
13. Venkatramaiah, C. (1997): A Text Book of Surveying, Universities Press, Hyderabad.

B.A./B.Sc Part III

PAPER - I

REMOTE SENSING AND GIS

Max. Marks: 50

(Paper Code-0248)

Unit I Basics of Remote Sensing: definition, history, and Scope; Electro-magnetic Radiation: Characteristics, Spectral regions and Bands; Interaction with earth surface features and atmosphere; Spectral Signature.

Unit II Types of Remote Sensing: Air borne and Space borne; Aerial photos: Types and Characteristics; Remote Sensing satellites: Platforms and sensors: active and passive, sensor characteristics: spatial resolution, spectral resolution, radiometric resolution, temporal resolution. Product.

Unit III Visual and Digital image processing techniques; Remote Sensing application in resource mapping and environmental monitoring, remote sensing in India: development and Growth. Indian Satellites, Space Organizations and data products.

Unit IV Introduction of GIS: Definition of Geoinformatics, Scope and Importance of Geoinformatics, History of GIS, Components of GIS, Functions of GIS,GIS tasks-Input, Manipulation, Management, Query analysis, Visualization, Toposheets, Surveying, Aerial photographs ,Satellite data and images, Data types-Spatial and Non spatial.

Unit V Data model and data analysis: Raster data and their characteristics, Vector data and their characteristics, Raster data analysis- grid cells or Pixels. Vector data analysis- Spatial data, Generation in Vector Format, Spatial and Non –Spatial data Management. Spatial information Technology

Books Recommended:

1. Bhatta, B. (2010): Remote Sensing and GIS, Oxford University Press, New Delhi.
2. Campbell, J.B. (2002): Introduction to Remote Sensing. 5th edition, Taylor and Francis, London
3. Curran, P.J. (1985): Principles of Remote Sensing, Longman, London
4. Kang-tsung Chang (2003) Geographic Information Systems, Tata McGraw Hill, New Delhi
5. Lillesand, T.M. and Kiefer, R.W. (2000): Remote Sensing and Image Interpretation. 4th edition. John Wiley and Sons, New York
6. Lo Albert, C.P., and Young, K.W (2003) Concepts and Techniques of Geographical Information Systems, Prentice Hall of India Pvt. Ltd., New Delhi.
7. Nag Prithvish and Kudrat M. (1998): Digital Remote Sensing, Concept Publishing Company, New Delhi
8. Star J, and J. Estes, (1994), Geographic Information Systems: An Introduction, Prentice Hall, New Jersy.
9. Williams J. (1995): Geographic information from space, John Wiley and Sons, England,

B.A./B.Sc Part III

PAPER - II

GEOGRAPHY OF CHHATTISGARH

Max. Marks: 50

(Paper Code-0249)

Unit I Physical Features : Geological Structure, Relief and Physiographic Regions, Drainage, Climate.

Unit II Natural Resources : Soils – Types, characteristics and their Distribution. Water Resources (Major Irrigation and Hydel Power Projects), Forests-types, Distribution, Conservation of Forest. Mineral Resources-iron-ore, Coal, Dolomite Lime stone, Bauxite, etc. Power Resources of Chhattisgarh.

Unit III Agriculture and Populations – Agriculture: Cereals, Pulses and other crops. Population: Growth, Distribution, and Density; Tribal Populations; and Urban and Rural Population.

Unit IV Industries - Iron and Steel, Cement, Sugar, Aluminum; Industrial Regions of Chhattisgarh.

Unit V Trade and Transport, Tourism, Socio-Economic Development of Chhattisgarh.

Books Recommended:

1. Jha, Vibhash Kumar and Saumya Naiyyar (2013) Chhattisgarh Samagra, Chhattisgarh Rajya Hindi Granth Akadmi, Raipur
2. Kumar, Pramila (2003): Chhattisgarh Ek Bhugolik Addhyayan. Madhya Pradesh Hindi Granth Akadmi, Bhopal
3. Nagesh Jitendra and at all (2014): Chhattisgarh Sandarbh 2014 Jansanmpark Vibhag, C.G. Govt., Raipur
4. Tiwari, Vijay Kumar ( ): Geography of Chhattisgarh, Himalya Publishing House, Pvt. Ltd
5. Tripathi, Kaushlendra and Pursottam Chandrakar (2001): Geography of Chhattisgarh, Shardaprakashan, Aazad Nagar , Bilaspur.
6. Verma ,L.N. (2017): Geography of Chhattisgarh, Madhya Pradesh Hindi Granth Akadmi, Bhopal

B.A./B.Sc Part III

PAPER - III

PRACTICAL GEOGRAPHY

Max. Marks: 50

SECTION A

MAP READINGS AND INTERPRETATION (M.M. 20)

Unit I Graphical Representation: Band graph, Climograph, Square root, Cube-root.

Unit II Topographical Sheets: Classification and numbering system (National and International), Interpretation of Topographical Sheets with respect to cultural and physical features.

Unit III Satellite Imageries: Describing the Marginal Information, Image interpretation: Visual Methods –Landuse /Landcover Mapping. Use and Application of GPS.

SECTION B

SURVEYING AND FIELD REPORT (M.M.20)

Unit IV Surveying: Plane Table Survey, Basic Principles of plane table surveying, Plane table survey including intersection and resection.

Unit V Field work and field report: physical, social and economic survey of a micro-region.

PRACTICAL RECORD AND VIVA VOCE (M.M.10)

Books Recommended:

1. Archer, J.E. and Dalton, T.H. (1968): *Field Work in Geography*. William Clowes and Sons Ltd. London and Beccles.
2. Bolton, T. and Newbury, P.A. (1968): *Geography through Fieldwork*. Blandford Press, London.
3. Campell, J. B. (2003): Introduction to Remote Sensing. 4th edition. Taylor and Francis, London.
4. Chaunial, D. D. (2004): Remote Sensing and Geographical Information System(in Hindi), Sharda Pustak Bhawan, Allahabad
5. Cracknell, A. and Ladson, H. (1990): Remote Sensing Year Book. Taylor and Francis, London.
6. Curran, P.J. (1985): Principles of Remote Sensing. Longman, London.
7. Davis, R.E. and Foote, F.S. (1953): Surveying, 4th edition, McGraw Hill Publication, New York
8. `
9. Deekshatulu, B.L. and Rajan, Y.S. (ed.) (1984): Remote Sensing. Indian Academy of Science, Bangalore.
10. Floyd, F. and Sabins, Jr. (1986): Remote Sensing: Principles and Interpretation. W.H. Freeman, New York.

11. Gautam, N.C. and Raghavswamy, V. (2004). Land Use/ Land Cover and Management Practices in India. B.S. Publication., Hyderabad.
12. Jensen, J.R. (2004): Remote Sensing of the Environment: An Earth Resource Perspective. Prentice-Hall, Englewood Cliffs, New Jersey. Indian reprint available.
13. Jones, P.A.(1968): Fieldwork in Geography, Longmans, Green and Company Ltd., First Publication, London
14. Kanetker, T.P. and Kulkarni, S.V.(1967): Surveying and Levelling, Vol I and II V.G. Prakashan, Poona.
15. Lillesand, T.M. and Kiefer, R.W. (2000): Remote Sensing and Image Interpretation. John Wiley and Sons, New York.
16. Monkhouse, F. J. (1985): Maps and Diagrams. Methuen, London.
17. Nag, P. (ed.) (1992): Thematic Cartography and Remote Sensing. Concept Publishing Company, New Delhi.
18. Natrajan, V. (1976): Advanced Surveying, B.I. Publications., Mumbai.
19. Rampal, K.K. (1999): Handbook of Aerial Photography and Interpretation. Concept Publishing. Company, New Delhi.
20. Raisz, E. (1962): Principles of Cartography, McGraw Hill, New York.
21. Robinson, A. H., Sale. R. D., Morrison, J. L. and Muehrcke, P. C. (1984): Elements of Cartography. 5th edition, John Wiley and Sons, Inc. New York.
22. Sarkar, A. K. (1997): Practical Geography: A Systematic Approach. Orient Longman, Kolkata
23. Sharma, J. P. (2001): *Prayogik Bhugol*., Rastogi Publication, Meerut 3rd. edition.
24. Singh, R.L. and Singh Rana P.B. (1993): *Elements of Practical Geography*. (Hindi and English editions). Kalyani Publishers, New Delhi.
25. Stoddard, Robert H. (1982): *Field Techniques and Research Methods in Geography*. Kendall/Hunt Pub. Dubuque IO.

बी.ए./बी.एस.सी. – प्रथम वर्ष
प्रश्न पत्र–प्रथम
भौतिक भूगोल

अधिकतम अंक : 50

(कोड क्रमांक 0117)

इकाई –1. भौतिक भूगोल की प्रकृति एवं विषय क्षेत्र, पृथ्वी की उत्पत्ति, भूगर्भिक समय मापनी, पृथ्वी की आंतरिक संरचना, वेगनर का महाद्वीपीय प्रवाह सिद्धांत, पट्ट विवर्तन, भूसंतुलन ।

इकाई –2. पृथ्वी की हलचल–भूकंप, ज्वालामुखी, चट्टान अपक्षय, अपरदन, सामान्य अपरदन चक्र, वायु, हिम बहता जल, भूमिगत जल और सागरीय जल से निर्मित भूदृश्य ।

इकाई –3. मौसम और जलवायु के तत्व, वायुमंडल की संरचना एवं संघटन, वायुमंडलीय ताप, दाब तथा हवाएं ।

इकाई –4. वायुमंडलीय आर्द्रता विक्षोम, जलवायु वर्गीकरण कोपेन और थार्नथ्वेट के आधार पर वैश्विक जलवायु की विशेषताएँ और विश्व प्रतिरूप ।

इकाई –5. महासागरीय उच्चावच्च प्रशांत महासागर, आंध्रमहासागर एवं हिन्द महासागर । सामुद्रिक तापमान लवणता जलधाराएँ एवं, ज्वारभाटा, सामुद्रिक निक्षेप एवं प्रवाल भित्ती, सामुद्रिक संसाधन ।

Books Recommended:

1. Barry, R. G. and Chorley, R. J. (1998): Atmosphere, Weather and Climate. Routledge, London.
2. Bryant, H. Richard (2001): Physical Geography Made Simple, Rupa and Company. New Delhi
3. Bunnett, R.B. (2003): Physical Geography in Diagrams, Fourth GCSE edition, Pearson Education (Singapore) Private Ltd.
4. Garrison, T. (1998): Oceanography, Wordsworth Company., Belmont.
5. Lake, P. (1979): Physical Geography (English and Hindi editions), Cambridge University Press, Cambridge.
6. Lal, D.S. 1993 : Climatology, 3rd edition, Chaitanya Pub. House, New Delhi
7. Leong Goh Cheng (2003): Certificate Physical and Human Geography, Oxford University Press, New Delhi.
8. Monkhouse, F.J. (1979): Physical Geography. Methuen, London
9. Singh, S. (2003): Physical Geography. (English and Hindi editions.). Prayag Pustak Bhawan, Allahabad;
10. Trewartha, G.T., Robinson, A.H., Hammond, E.H., and Horn, A.T. (1976/1990): Fundamentals of Physical Geography, 3rd edition. MacGraw-Hill, New York.
11. Singh, M.B. (2001): *Bhoutik Bhugol*, Tara Book Agency, Varanasi
12. Strahler, A.N. and Stahler, A.M. (1992): Modern Physical Geography. John Wiley and Sons, New York.

बी.ए./बी.एस.सी. –प्रथम वर्ष
प्रश्न पत्र–द्वितीय
मानव भूगोल

अधिकतम अंक : 50

(कोड क्रमांक 0118)

इकाई –1. मानव भूगोल की परिभाषा एवं विषय क्षेत्र मानव वातावरण संबंध, निश्चयवाद, संम्भववाद प्रसम्भववाद, मानव विकास सूचकांक ।

इकाई –2. मानव प्रजाति उद्‌भव प्रकार विशेषताएँ एवं वितरण, मानव द्वारा वातावरण से अनुकुलन एस्किमो, बुशमेन, पिग्मी, गोंड, मसाई, और नागा ।

इकाई –3. वैश्विक जनसंख्या– वृद्धि, घनत्व, जनसंख्या के वितरण को प्रभावित करने वाले स्थानिक कारक, जनाधिक्य, न्यूनतम जनसंख्या और अनूकूलतम आदर्श जनसंख्या, जनसंख्या एवं प्रवास।

इकाई –4. अधिवास– नगरीय अधिवासः नगरीयकरण उद्‌भव, प्रकार एवं नगरीकरण के प्रतिरूप । ग्रामीण अधिवास : विशेषताएँ, प्रकार और क्षेत्रीय प्रतिरूप, भारत में ग्रामीण अधिवास, प्रकार, वर्गीकरण और क्षेत्रीय प्रतिरूप ।

इकाई –5. उभरते पर्यावरणीय मुद्‌दे– ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन निर्वनिकरण, मरूस्थलीकरण प्रदूषण – जल, वायु और मृदा प्रदूषण ।

Books Recommended:

1. Chisholm, M. (1985): Human Geography, 2nd edition, Penguin Books, London.
2. De Blij, H.J.(1996): Human Geography: Culture, Society and Space,. 2nd edition. John Wiley and Sons, New York,
3. Fellman, J. D., Arthur, G., Judith, G., Hopkins, J. and Dan, S. (2007): Human Geography: Landscapes of Human Activities. McGraw-Hill, New York. 10th edition.
4. Haggett, P. (2004): Geography: A Modern Synthesis. 8th edition, Harper and Row, New York.
5. Huggett, R. J. (1998): Fundamentals of Biogeography, Routledge, London.
6. Hussain, M. (1994): Human Geography, Rawat Publications, Jaipur.
7. Johnston, R. J., Gregory, D., Pratt, G. and Watts, M. (2009): The Dictionary of Human Geography. 5th edition, Basil Blackwell Publishers, Oxford.
8. Kaushik, S.D. and Sharma, A.K. (1996): Principles of Human Geography (in Hindi), Rastogi Publication, Meerut.
9. Norton, W. (2008): Human Geography, Oxford University Press, New York. 5th ed.
10. Saxena, H. M. (2000): Environmental Management. Rawat Publications., Jaipur and New Delhi.
11. Singh, K. N. and Singh, J. (2001): *Manav Bhugol*. Gyanodaya Prakashan, Gorakhpur. 2nd edition.
12. Singh, L.R. (2005): Fundamentals of Human Geography, Sharda Pustak Bhawan, Allahabad
13. Smith, D. M.(1977): Human Geography- A Welfare Approach, Edward Arnold (Publishers) Ltd.,London
14. Stoddard, R.H., Wishart, D.J. and Blouet, B.W. (1986): Human Geography. Prentice-Hall, Englewood Cliffs, New Jersey.

बी.ए./बी.एस.सी.–प्रथम वर्ष
प्रश्न पत्र–तृतीय
प्रायोगिक भूगोल

अधिकतम अंक : 50

भाग– अ मानचित्र तकनीक एवं सांख्यिकी विधियां (25)

इकाई –1 मपनी– कथनात्मक मापन, प्रतिनिधि भिन्न सामान्य रैखिक मापनी विकर्ण तुलनात्मक एवं समय मापनी.

इकाई –2 उच्चावच प्रदर्शन की विधियां – हैश्यूर समोच्च रेखा, तथा विविध स्थलाकृतियों की प्रदर्शन.

इकाई –3 रैखिक आरेख, दंड आरेख, (सामान्य एवं मिश्रित) चक्र आरेख – समानुपातिक वृत्त आरेख विभाजित वृतारेख

इकाई –4 सांख्यिकी विधियां : औसत, माध्यिका , बहुलक

भाग– ब सर्वेक्षण (15)

इकाई –5 चैन और फीता सर्वेक्षण–त्रिभुजीकरण, खुला एवं बंद मार्ग मापन,

प्रायोगिक पुस्तिका और मौखिक परिक्षण परीक्षा (10)

Books Recommended:

1. Davis, R.E. and Foote, F.S. (1953): Surveying, 4th edition, McGraw Hill Publication, New York
2. Jones, P.A.(1968): Fieldwork in Geography, Longmans, Green and Company Ltd., First Publication, London
3. Monkhouse, F. J. and Wilkinson, F.J. (1985): Maps and Diagrams. Methuen, London
4. Natrajan, V. (1976): Advanced Surveying, B.I. Publications., Mumbai
5. Pugh, J.C. (1975): Surveying for Field Scientists, Methuen and Company Ltd., London, First Publication.
6. Raisz, E. (1962): General Cartography. John Wiley and Sons, New York. 5th edition.
7. Sarkar, A. K. (1997): Practical Geography: A Systematic Approach. Orient Longman, Kolkata.
8. Sharma, J. P. (2001): *Prayogik Bhugol.*, Rastogi Publication, Meerut 3rd. edition.
9. Singh, R.L. and Singh, Rana P.B. (1993): Elements of Practical Geography. (Hindi and English editions). Kalyani Publishers, New Delhi,.
10. Singh, L.R. (2006): Fundamentals of Practical Geography, Sharda Pustak Bhawan, Allahabad.
11. Venkatramaiah, C. (1997): A Text Book of Surveying, Universities Press, Hyderabad.

बी.ए./बी.एस.सी. –द्वितीय वर्ष
प्रश्न पत्र–प्रथम
आर्थिक एवं संसाधन भूगोल

(कोड क्रमांक 0187)

अधिकतम अंकः 50

इकाई–1 : आर्थिक भूगोल का अर्थ, विषय क्षेत्र एवं उपागम; आर्थिक भूगोल की आधारभूत संकल्पनाये; संसाधन : संकल्पनायें एवं वर्गीकरण; प्राकृतिक संसाधन : मिट्टी, वन एवं जल ।

इकाई–2 : खनिज संसाधन : लौह अयस्क एवं बाक्साईट; शक्ति संसाधन कोयला, पेट्रोलियम एवं जल विद्युत; संसाधन संरक्षण ; प्रमुख फसलेः गेहूँ, चाँवल, गन्ना, एवं चाय ।

इकाई–3 : विश्व के कृषि प्रदेश (व्हिटलसी के अनुसार); कृषि अवस्थिति के सिद्धान्त (वॉन थ्यूनेन); औधोगिक स्थानीयकरण का सिद्धान्त (वेबर); प्रमुख उद्योग : लौह एवं इस्पात, वस्त्र उद्योग, शैलरासायनिक एवं शक्कर; विश्व के औद्योगिक प्रदेश ।

इकाई–4 : विश्व परिवहन : प्रमुख ट्रांस महाद्वीपीय रेलवे, समुद्र एवं वायु मार्ग; अंतर्राष्ट्रीय व्यापार प्रतिरुप एवं प्रवृत्तियाँ; प्रमुख व्यापार संघ : लैटिन अमेरिकी स्वतंत्र व्यापार संघ (LAFTA), यूरोपीय साझा बाजार (EEC), दक्षिणी–पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संघ (ASEAN), विकासशील देशों पर भूमण्डलीकरण का प्रभाव ।

इकाई–5 : संसाधनों का संरक्षण; संकल्पनाओं का उद्‌भव, सिद्धात, दर्शन एवं संरक्षण के उपागम, संसाधन संरक्षण एवं प्रवृत्तियाँ, अक्षय विकास एवं नीति निर्माण ।

Books Recommended:

1. Alexander, J. W. (1988): Economic Geography. Prentice-Hall, New Delhi,.
2. Bryson, J., Henry, N., Keeble, D. and Martin, R. (eds.) (1999): The Economic Geography Reader: Producing and Consuming Global Capitalism. John Wiley and Sons, Inc, New York.
3. Clark,G. L., Gertler, M. S. and Feldman, M. P. (eds.) (2000): The Oxford Handbook of Economic Geography. Oxford University Press, USA.
4. Coe, N. (2007): Economic Geography: A Contemporary Introduction. Blackwell Publishers, Inc., Massachusetts.
5. Gautam, A. (2006): *Aarthik Bhugol Ke Mool Tattava*, Sharda Pustak Bhawan, Allahabad.
6. Guha, J. S. and Chattoraj, P.R. (2002): A New Approach to Economic Geography: A Study of Resources. The World Press Private Limited, Kolkata.
7. Hanink, D. M. (1997): Principles and Applications of Economic Geography: Economy, Policy, Environment. John Wiley and Sons, Inc, New York.
8. Hartshorne, T. A. and Alexander, J. W. (1988): Economic Geography (3rd revised edition) Englewood Cliff , New Jersey, Prentice Hall
9. Hudson, R. (2005): Economic Geographies: Circuits, Flows and Spaces. Sage Publications, London.
10. Knowles, R, Wareing, J. (2000): Economic and Social Geography Made Simple, Rupa and Company, New Delhi.

बी.ए./बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष
प्रश्न पत्र– द्वितीय
भारत का भूगोल

(कोड क्रमांक 0188)

अधिकतम अंकः 50

इकाई –1 भौगोलिक स्वरूप – संरचना, उच्चावच जलवायु, भू–आकृतिक प्रदेश, अपवाह, जलवायु–मानसून की उत्पत्ति एवं विकास प्रक्रिया तथा पादेशिक एवं मौसमी विविधता।

इकाई –2 प्राकृतिक संसाधन – मिट्टियॉ, प्रकार, वितरण एवं विशेषताऍं, जल संसाधन, सिंचाई और बहुउद्देशीय परियोजनाएं, वन–प्रकार, वितरण आर्थिक महत्व एवं संरक्षण । खनिज एवं शक्ति के संसाधन – लौह अयस्क, मैग्नीज, तांबा, कोयला, प्रेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस, गैर पारंपरिक उर्जा , (सौर उर्जा, पवन उर्जा ज्वारीय उर्जा, भूतापीय उर्जा)।

इकाई –3 सांस्कृतिक तत्व, जनसंख्या वृद्धि , घनत्व और वितरण, कृषि प्रमुख खाद्य फसलें, हरित क्रांति का प्रभाव, कृषि प्रदेश,।

इकाई –4 उद्योग–स्थानीकरण, औद्योगिक विकास और उत्पादन – लौहा और इस्पात उद्योग, सूती वस्त्र उद्योग, सीमेंट, चीनी ,यातायात और व्यापार, औद्योगिक प्रदेश ।

इकाई –5 भारत के निम्न प्रदेशों का विस्तृत अध्ययन कश्मीर घाटी, उत्तर पूर्वी प्रदेश, छोटा नागपुर का पठार, थार मरूस्थल भारत के द्वीप समूह।

Books Recommended:

1. Chauhan, P.R. and Prasad, M. (2003): *Bharat Ka Vrihad Bhugol*, Vasundhara Prakashan, Gorakhpur.
2. Farmer, B.H. (1983): An Introduction to South Asia. Methuen, London
3. Gautam, A. (2006): Advanced Geography of India, Sharda Pustak Bhawan, Allahabad
4. Johnson, B.L.C. (1963): Development in South Asia. Penguin Books, Harmondsworth
5. Krishnan, M.S. (1982): Geology of India and Burma, CAS Publishers and Distributors, Delhi.
6. Khullar, D.R. (2007): India: A Comprehensive Geography, Kalyani Publishers, New Delhi
7. Nag, P. and Gupta, S. S. (1992): Geography of India, Concept Publishing Company, New Delhi.
8. Rao, B.P. (2007): *Bharat kee Bhaugolik Sameeksha*, Vasundhara Prakashan, Gorakhpur.
9. Sharma, T.C. and Coutinho, O. (2003): Economic and Commercial Geography of India, Vikas Publishing House Private Ltd. New Delhi.
10. Singh , J. (2003): India: A Comprehensive Systematic Geography. Gyanodaya Prakashan, Gorakhpur
11. Singh, J. (2001): *Bharat: Bhougolik Aadhar Avam Ayam*, Gyanodaya Prakashan, Gorakhpur.
12. Singh, R.L. (ed.) (1971): India: A Regional Geography. National Geographical Society of India, Varanasi.
13. Spate, O.H. K., Learmonth A. T. A. and Farmer, B. H. (1996): India, Pakistan and Sri Lanka. Methuen, London, 7th edition.
14. SukhwaI, B.L. (1987): India: Economic Resource Base and Contemporary Political Patterns. Sterling Publication, New Delhi
15. Tiwari, R.C. (2007): Geography of India, Prayag Pustak Bhawan, Allahabad.
16. Wadia, D. N. (1959): *Geology of India*. Mac-Millan and Company, London and student edition, Madras.

बी.ए./बी.एस.सी. द्वितीय वर्ष
प्रश्न पत्र–तृतीय
प्रायोगिक भूगोल

अधिकतम अंक : 50

खण्ड–अ. मानचित्र की व्याख्या, प्रक्षेप और सांख्यिकीय विधियां । (25 अंक)

इकाई –1 मानचित्र – बिन्दु विधि, छाया विधि, सममान रेखा मानचित्र (मानचित्र निर्माण)

इकाई –2 प्रक्षेप – परिभाषा एवं प्रकार शंक्वाकार, खमध्य बेलनाकार प्रक्षेप.

इकाई –3 मौसम मानचित्र की व्याख्या एवं मौसम संबंधी उपकरणों का उपयोग.

इकाई –4 सांख्यिकीय विधियां – विचलन– चतुर्थांक माध्य विचलन, मानक विचलन, चतुर्थक विचलन, सापेक्षिक परिवर्तनशीलता, प्रसरण गुणंक।

खण्ड–ब. सर्वेक्षण (15 अंक)

इकाई –5 प्रिज्मीय सर्वेक्षण– पूर्णवृत दिक्मान, समानीत दिक्मान एवं प्रिज्मीय कम्पास सर्वेक्षण की विधियॉं।

प्रायोगिक पुस्तिका और मौखिक परीक्षा (10 अंक)

Books Recommended:

1. Alvi, Z. 1995 : Statistical Geography: Methods and Applications, Rawat Pub. New Delhi: .
2. Davis, R.E. and Foote, F.S. (1953): Surveying, 4th edition, McGraw Hill Publication, New York
3. Kanetker, T.P. and Kulkarni, S.V.(1967): Surveying and Levelling, Vol I and II V.G. Prakashan, Poona.
4. Natrajan, V. (1976): Advanced Surveying, B.I. Publications., Mumbai.
5. Pal, S.K. 1999 : Statistics for Geoscientists, Concept publishing Company, New Delhi
6. Punmia, B.C.(1994): Surveying, Vol I, Laxmi Publications Private Ltd, New Delhi.
7. Raisz, E. (1962): General Cartography. John Wiley and Sons, New York. 5th edition
8. Sarkar, A. K. (1997): Practical Geography: A Systematic Approach. Orient Longman, Kolkata.
9. Sharma, J. P. (2001): *Prayogik Bhugol.*, Rastogi Publication, Meerut 3rd. edition.
10. Silk, J. 1979 : Statistical techniques in Geography, George Allen and Unwin, London
11. Singh, R.L. and Singh, Rana P.B. (1993): Elements of Practical Geography. (Hindi and English editions). Kalyani Publishers, New Delhi,.
12. Singh, L.R. (2006): Fundamentals of Practical Geography, Sharda Pustak Bhawan, Allahabad.
13. Venkatramaiah, C. (1997): A Text Book of Surveying, Universities Press, Hyderabad.

बी.ए./बी.एस.सी. तृतीय वर्ष

प्रश्न पत्र–प्रथम

सुदूर संवेदन एवं भैगोलिक सूचना प्रणाली

(पेपर कोड़ – 0248)

अधिकतम अंकः 50

इकाई –1 : सुदूर संवेदन का अर्थ तथा आधारभूत संकल्पना : परिभाषा, इतिहास, एवं विषय क्षेत्र; विद्युत चुम्बकीय विकिरण : विशेषताएँ, वर्णक्रमीय (SPECTRAL) प्रदेश एवं बैण्ड; पृथ्वी के धरातल एवं वायुमण्डल के साथ विकिरण अर्जा की अन्योन्यक्रिया, वर्णक्रमीय (SPECTRAL)लक्षण ।

इकाई –2 : सुदूर संवेदन के प्रकार : वायु जनित एवं अंतरिक्ष जनित; हवाई छायाचित्र : प्रकार एवं विशेषताएँ; सुदूर संवेदन उपग्रह : प्लेटफार्म एवं संवेदक : सक्रिय एवं निष्क्रय, संवेदक की विशेषताएँ : स्थानिक विभेदन, वर्णक्रमीय (SPECTRAL) विभेदन, रेड़ियोमेट्रिक विभेदन, अल्पकालिक विभेदन, उत्पाद ।

इकाई –3 : चाक्षुष एवं अंकीय बिम्ब प्रक्रियान्वयण तकनीक; संसाधन मानचित्रण एवं पर्यावरण नियंत्रण में सुदूर संवेदन अनुप्रयोग, भारत में सुदूर संवेदन; उद्दभव एवं विकास।

इकाई –4 : भौगोलिक सूचना प्रणाली का परिचय : भूसूचना की परिभाषा, भूसूचना का महत्व एवं विषय क्षेत्र, भौगोलिक सूचना प्रणाली का इतिहास, जी0 आई0 एस0 की संकल्पना, जी0 आई0 एस0 के कार्य – आंकड़ा प्रवेश, संचालन, परिचालन, प्रबंधन, त्रुटि संसूचन, विश्लेषण एवं प्रदर्शन, धरातलपत्रक, सर्वेक्षण, हवाई बिम्ब, उपग्रह आंकड़े एवं बिम्ब, आकड़ो के प्रकार धरातलीय एवं अधरातलीय या लाक्षाणिक ।

इकाई–5 : आंकड़ा मॉडल एवं आंकड़ा विश्लेषण : रॉस्टर आंकड़ा एवं उसकी विशेषताएँ, वेक्टर आंकड़ा एवं उसकी विशेषताएँ, रास्टार आंकड़ा विश्लेषण : ग्रिड सेल अथवा पिक्सल, विक्टर आंकड़ा विश्लेषण धरातलीय आकड़ा, विक्टर प्रारुप की रचना धरातलीय एवं अधरातलीय आंकड़ा प्रबंधन, धरातलीय सूचना तकनीक ।

Books Recommended:

1. Bhatta, B. (2010): Remote Sensing and GIS, Oxford University Press, New Delhi.
2. Campbell, J.B. (2002): Introduction to Remote Sensing. 5th edition, Taylor and Francis, London
3. Curran, P.J. (1985): Principles of Remote Sensing, Longman, London
4. Kang-tsung Chang (2003) Geographic Information Systems, Tata McGraw Hill, New Delhi
5. Lillesand, T.M. and Kiefer, R.W. (2000): Remote Sensing and Image Interpretation. 4th edition. John Wiley and Sons, New York
6. Lo Albert, C.P., and Young, K.W (2003) Concepts and Techniques of Geographical Information Systems, Prentice Hall of India Pvt. Ltd., New Delhi.
7. Nag Prithvish and Kudrat M. (1998): Digital Remote Sensing, Concept Publishing Company, New Delhi
8. Star J, and J. Estes, (1994), Geographic Information Systems: An Introduction, Prentice Hall, New Jersy.
9. Williams J. (1995): Geographic information from space, John Wiley and Sons, England,
10. चौनियाल, देवी दत्त (2004), सुदूर संवेदन एवं भौगोलिक सूचना प्रणाली, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद–2.

बी.ए./बी.एस.सी. तृतीय वर्ष
प्रश्न पत्र–द्वितीय
छत्तीसगढ़ का भूगोल
(पेपर कोड़ – 0249)

अधिकतम अंक : 50

इकाई –1. भौतिक स्वरूप भौमिकीय संरचना उच्चावच, भूआकृतिक प्रदेश, अपवाह, जलवायु ।

इकाई –2. प्राकृतिक संसाधन–मिट्टी, प्रकार, विशेषताएँ, वितरण, जलसंसाधनः प्रमुख सिंचाई और बहुउद्देशीय परियोजनांए, वन : प्रकार, वितरण, वनों का संरक्षण, खनिज संसाधन – लौह अयस्क, कोयला डोलोमाइट, चुना पत्थर और बाक्साइट छत्तीसगढ़ में शक्ति के संसाधन।

इकाई –3. कृषि– प्रमुख खाद्यान्न फसलें, दलहन एवं अन्य फसलें, जनसंख्या– वृद्धि, वितरण और घनत्व, जनजातिय जनसंख्या । ग्रामीण और नगरीय जनसंख्या ।

इकाई –4. उद्योग, लौह इस्पात उद्योग, सिमेंट चीनी, एल्युमिनीयम, छत्तीसगढ़ के औद्योगिक प्रदेश ।

इकाई –5. व्यापार, परिवहन, पर्यटन, छत्तीगढ़ का सामाजिक आर्थिक विकास ।

Books Recommended:

1. Jha, Vibhash Kumar and Saumya Naiyyar (2013) Chhattisgarh Samagra, Chhattisgarh Rajya Hindi Granth Akadmi, Raipur
2. Kumar, Pramila (2003): Chhattisgarh Ek Bhugolik Addhyayan. Madhya Pradesh Hindi Granth Akadmi, Bhopal
3. Nagesh Jitendra and at all (2014): Chhattisgarh Sandarbh 2014 Jansanmpark Vibhag, C.G. Govt., Raipur
4. Tiwari, Vijay Kumar ( ): Geography of Chhattisgarh, Himalya Publishing House, Pvt. Ltd
5. Tripathi, Kaushlendra and Pursottam Chandrakar (2001): Geography of Chhattisgarh, Shardaprakashan, Aazad Nagar , Bilaspur.
6. Verma ,L.N. (2017): Geography of Chhattisgarh, Madhya Pradesh Hindi Granth Akadmi, Bhopal

बी.ए./बी.एस.सी. तृतीय वर्ष
प्रश्न पत्र–तृतीय
प्रायोगिक भूगोल

अधिकतम अंक : 50

खण्ड़ (अ)

मनचित्र पठन एवं निर्वचन **20**

इकाई –1. बैन्ड ग्राफ, हीदर ग्राफ, क्लाइमोग्राफ, पवनारेख ।

इकाई –2. भारतीय स्थलाकृतिक मानचित्र की व्याख्या प्रकार, वर्गीकरण धरतलीय मानचित्र के प्रकार एवं विष्लेषण, राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय, भौतिक एवं सांस्कृतिक तत्वों के आधार पर विष्लेषण ।

इकाई –3. उपग्रह बिम्ब : प्रारम्भिक सूचनाओं की व्याख्या बिम्ब निर्वाचन : चाक्षुश विधि – भूमि उपयोग भूमि आच्छादन मानचित्रण, जी0 पी0 एस0 का उपयोग एवं अनुप्रयोग ।

खण्ड़ (ब)

सर्वेक्षण एवं क्षेत्रीय प्रतिवेदन **20**

इकाई –4. सर्वेक्षण , समपटल सर्वेक्षण, प्रतिच्छेदन एवं स्थिति निर्धारण ।

इकाई –5. भूगोल में क्षेत्रीय कार्य का महत्व किसी छोटे क्षेत्र का भौतिक सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण और रिपोर्ट तैयार करना ।

प्रायोगिक पुस्तिका और मौखिक परिक्षण परीक्षा **10**

Books Recommended:

1. Archer, J.E. and Dalton, T.H. (1968): *Field Work in Geography*. William Clowes and Sons Ltd. London and Beccles.
2. Bolton, T. and Newbury, P.A. (1968): *Geography through Fieldwork*. Blandford Press, London.
3. Campell, J. B. (2003): Introduction to Remote Sensing. 4th edition. Taylor and Francis, London.
4. Chaunial, D. D. (2004): Remote Sensing and Geographical Information System(in Hindi), Sharda Pustak Bhawan, Allahabad
5. Cracknell, A. and Ladson, H. (1990): Remote Sensing Year Book. Taylor and Francis, London.
6. Curran, P.J. (1985): Principles of Remote Sensing. Longman, London.
7. Davis, R.E. and Foote, F.S. (1953): Surveying, 4th edition, McGraw Hill Publication, New York
8. `
9. Deekshatulu, B.L. and Rajan, Y.S. (ed.) (1984): Remote Sensing. Indian Academy of Science, Bangalore.
10. Floyd, F. and Sabins, Jr. (1986): Remote Sensing: Principles and Interpretation. W.H. Freeman, New York.
11. Gautam, N.C. and Raghavswamy, V. (2004). Land Use/ Land Cover and Management Practices in India. B.S. Publication., Hyderabad.
12. Jensen, J.R. (2004): Remote Sensing of the Environment: An Earth Resource Perspective. Prentice-Hall, Englewood Cliffs, New Jersey. Indian reprint available.
13. Jones, P.A.(1968): Fieldwork in Geography, Longmans, Green and Company Ltd., First Publication, London

14. Kanetker, T.P. and Kulkarni, S.V.(1967): Surveying and Levelling, Vol I and II V.G. Prakashan, Poona.
15. Lillesand, T.M. and Kiefer, R.W. (2000): Remote Sensing and Image Interpretation. John Wiley and Sons, New York.
16. Monkhouse, F. J. (1985): Maps and Diagrams. Methuen, London.
17. Nag, P. (ed.) (1992): Thematic Cartography and Remote Sensing. Concept Publishing Company, New Delhi.
18. Natrajan, V. (1976): Advanced Surveying, B.I. Publications., Mumbai.
19. Rampal, K.K. (1999): Handbook of Aerial Photography and Interpretation. Concept Publishing. Company, New Delhi.
20. Raisz, E. (1962): Principles of Cartography, McGraw Hill, New York.
21. Robinson, A. H., Sale. R. D., Morrison, J. L. and Muehrcke, P. C. (1984): Elements of Cartography. 5th edition, John Wiley and Sons, Inc. New York.
22. Sarkar, A. K. (1997): Practical Geography: A Systematic Approach. Orient Longman, Kolkata
23. Sharma, J. P. (2001): *Prayogik Bhugol*., Rastogi Publication, Meerut 3rd. edition.
24. Singh, R.L. and Singh Rana P.B. (1993): *Elements of Practical Geography*. (Hindi and English editions). Kalyani Publishers, New Delhi.
25. Stoddard, Robert H. (1982): *Field Techniques and Research Methods in Geography*. Kendall/Hunt Pub. Dubuque IO.